

22/4/19

Page No.:
 Date: / /

पाठ - 2.

अन्याय के विरुद्ध

★ शब्दार्थ:-

- 1) तन्खाह - वेतन
- 2) जरूरत - आवश्यकता
- 3) खल - रूसी मुद्रा
- 4) स्वर - आवाज
- 5) नोट - लिखना, नोट करना
- 6) सिर्फ - केवल
- 7) यकीन - विश्वास
- 8) आश्चर्य - हैरानी
- 9) अनर्थ - जिसका अर्थ न हो, गलत काम
- 10) विनीत - नम्र और शिष्ट
- 11) कुदृष्ट - गुस्से में
- 12) अनचरज - हैरानी
- 13) माफ - क्षमा
- 14) कर - कठोर, निर्दय
- 15) भरी - डरपोक, कायर
- 16) बोदा - कमजोर
- 17) अस्तित्व - किसी वस्तु या व्यक्ति के होने का भाव
- 18) निर्मम - कठोर
- 19) हृदयहीन - जिसका हृदय न हो, कठोर, निष्ठुर

अभ्यास - पृष्ठ 2

* मौखिक

प्रश्न-1. यह कहानी मूल रूप से किस भाषा में लिखी गई है।

उत्तर. यह कहानी मूल रूप से रूसियन भाषा में लिखी हुई है।

प्रश्न-2. इस कहानी के मूल लेखक का नाम क्या है।

उत्तर. इस कहानी के लेखक का नाम अंतोन चखोव भी है।

प्रश्न-3. बच्चों को पढ़ाने का काम कौन करती थी?

उत्तर. बच्चों को पढ़ाने का काम जूलिया जी करती थी।

प्रश्न-4. रुबल किस देश की करेंसी का नाम है।

उत्तर. रुबल - रूस की करेंसी का नाम है।

* लिखित

प्रश्न-1. लेखक के कितने बच्चे थे? उनके नाम क्या-क्या थे?

उत्तर. लेखक के दो बच्चे थे। उनके नाम थे कोल्सा और वान्या।

प्रश्न-2. लेखक ने जूलिया की तेन्खाह लुप्त होने से बरह

रुबल कूटने के ~~वजह~~ कौन-कौन से कारण हैं?

उत्तर. लेखक ने जूलिया के बारह रुबल कूटने के निम्नलिखित कारण बताए कि जूलिया तुमने 12 दिन काम नहीं किया है इसलिख तुम्हारे

12 रुबल कट बाए।

प्रश्न 3. लेखक ने फ्लैट और प्याली तोड़ने तथा कोल्हा की जैकेट फटने के जूलिया को कितने रुबल करने चाहिए? क्या यह उचित था?

उत्तर लेखक ने फ्लैट और प्याली तोड़ने के 2 रुबल और जैकेट फटने के 10 रुबल जूलिया से वसूल करने चाहिए। लेखक द्वारा ~~इन्साफ~~ उठाया गया यह कठम उचित नहीं था।

प्रश्न 4. अंत में जूलिया की तनखाह को कट-कट कर कितने रुबल मिले? इस पर जूलिया की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर अंत में कट-कट कर 11 रुबल मिले। 11 रुबल लेते समय जूलिया के हाथ काँप रहे थे। किसी तरह से उसने वह रुबल अपने जेब में रखे तथा विनीत स्वर में वैसे लेकर धन्यवाद कहा।

प्रश्न 5. लेखक ने जूलिया से किस बात के लिए माफी माँगी?

उत्तर लेखक ने जूलिया को अन्याय के ~~विरुद्ध~~ विरुद्ध लड़ने का पाठ को समझाने के लिए कुर मजाक किया था। इस कुर मजाक के लिए लेखक ने जूलिया से माफी माँगी।

प्रश्न 6. लेखक जूलिया को किस तरह का सीख देना चाह रहा था?

उत्तर लेखक जूलिया जी को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए पाठ बता रहे थे। जूलिया जी एक कमजोर महिला थी। जीवन में उनके साथ बहुत अन्याय हुआ था। वे जाहॉ भी काम करती थी वहाँ उनका तनखाह काट लिया जाता था। जूलिया जी इस अन्याय के विरुद्ध आवाज नहीं उठा पाती थी।

Date: / /

वह अन्याय के दुख को सहती रही थी। लेखक चाहते थे कि जुलिया जी अन्याय के विरुद्ध लड़े और अपने हक को प्राप्त करें। लेखक जुलिया जी को यही सिख देना चाहते थे।

प्रश्न-7 लेखक और जुलिया का चरित्र - चित्रण करते हुए उनकी चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- लेखक और जुलिया जी की अपनी-अपनी परिश्रम विशेषताएँ हैं। लेखक अन्याय के विरुद्ध खिलाफ आवाज नहीं उठाना जानते हैं जबकि जुलिया जी अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकती। वह अन्याय को फायदा सहना जानती है। लोग जुलिया जी के रूप स्वभाव का फायदा उठाते हैं। लेखक दूसरों को भी अन्याय के विरुद्ध लड़ने को तैयार करते हैं। इस प्रकार लेखक और जुलिया जी अन्याय के विरुद्ध अलग-अलग सोच रखते हैं।

* निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

Q1. गद्यांश में इंसान को किस प्रकार प्रकार का न बनने को कहा गया है।
उत्तर- इंसान को क्रिष्ण, दूध, शीशू और बौद्धा नहीं बनना चाहिए।

Q 2. हमें अन्याय के विरुद्ध कैसा रवैया अपनाना चाहिए ?

उत्तर हमें अन्याय के विरुद्ध जूनिया जी के तरह नहीं रहना होगा।

Q 3. अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें क्या करना होगा

उत्तर अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें कठोर और निर्मम और हृदयहीन संसार से जुड़ना होगा।

Q 4. भीरु और निर्मम शब्दों के अर्थ लिखो।

उत्तर भीरु - डरपोक

निर्मम - कठोर

04/05/19